

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 28 फरवरी, 2023

वन रैंक-वन पेंशन (OROP)

[सर्वोच्च न्यायालय](#) की टिप्पणियों के बाद रक्षा मंत्रालय ने रक्षा लेखा महानियंत्रक (Controller General Defence Accounts- CGDA) को वन रैंक-वन पेंशन (OROP) की संपूर्ण बकाया राशि एक ही कश्त में जारी करने का निर्देश दिया। OROP का अर्थ सैन्य अधिकारियों को समान रैंक हेतु समान सेवा अवधि के लिये समान पेंशन का भुगतान करना है, भले ही उनकी सेवानिवृत्ति की तिथि कुछ भी हो। OROP से पहले पूर्व सैनिकों को सेवानिवृत्ति के समय वेतन आयोग की सफ़ारिशों के अनुसार पेंशन मिलती थी। उत्तर प्रदेश और पंजाब में OROP लाभार्थियों की संख्या सबसे अधिक है। योजना का क्रियान्वयन भगत सिंह कोश्यारी की अध्यक्षता में गठित कोश्यारी समिति की संसूति पर आधारित था।

और पढ़ें... [वन रैंक-वन पेंशन \(OROP\)](#)

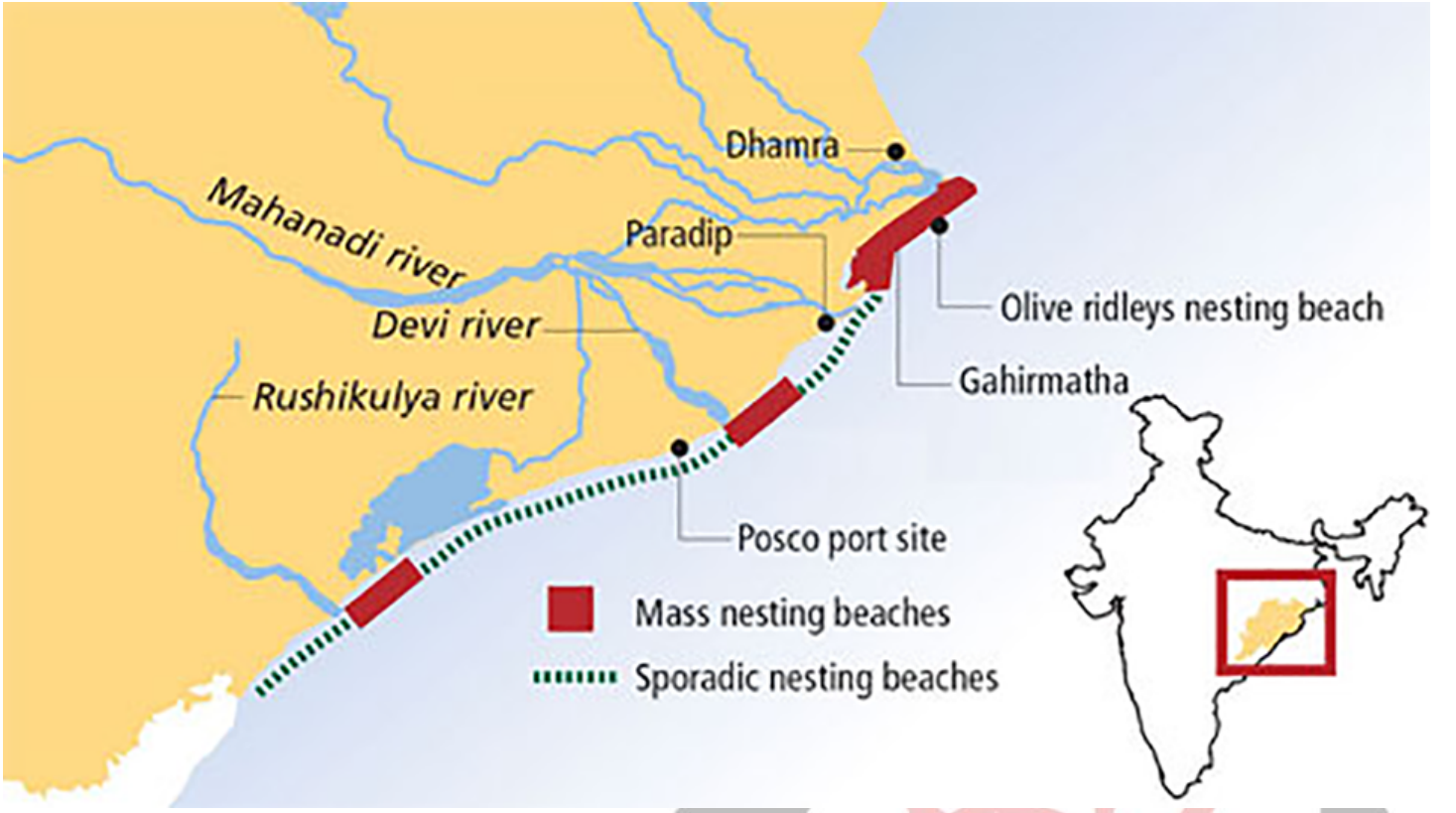
येलो रिवर

महान येलो रिवर, चीनी सभ्यता की 'मातृ नदी' को प्रागैतिहासिक काल के बाद से वनाशकारी बाढ़ के कारण प्रभावित होने की वजह से 'आपदा की नदी' और 'चीन के शोक (China's Sorrow)' के रूप में भी जाना जाता है। हाल ही के एक अध्ययन में पाया गया कि लोएस पठार, जो येलो रिवर से घिरा हुआ है, तटबंध बनाने की चीनी प्रथा के कारण अक्सर ऊपर के क्षेत्रों में आने वाली बाढ़ का एक अन्य कारण है। येलो रिवर विश्व की छठी सबसे लंबी नदी है और यह सबसे अधिक तलछट से भरी पड़ी है। इसे हुआंग हे के रूप में भी जाना जाता है, यह कनिहाई प्रांत से निकलती है और लोएस पठार से होते हुए बहती है, जहाँ से यह अपने साथ तलछट भी ले जाती है जो इसके जल को उनका विशिष्ट पीला रंग प्रदान करता है। उत्तरी चीन के मैदान पर नदिले क्षेत्र में इस नदी के कारण बाढ़ की संभावना बनी रहती है क्योंकि पठार से तलछट या लोएस (एक प्रकार की गाद) आमतौर पर नदी के तल पर जमा हो जाते हैं और इसकी ऊँचाई में वृद्धि करते हैं।



ओलवि रडिले कछुए

अधिकारी और वैज्ञानिक इस बात को लेकर अनिश्चित हैं कि ओडिशा के रुशकिल्या रूकरी ज़िले में ओलवि रडिले कछुओं के बड़े पैमाने पर घोंसले बनाने या 'अरबिदा' की शुरुआत किस वजह से हुई। ओडिशा के गहरिमाथा समुद्री अभयारण्य के बाद रुशकिल्या समुद्र तट को भारत में समुद्री कछुओं के लिये दूसरा सबसे बड़ा रूकरी (प्रजनन स्थल) माना जाता है। उपयुक्त जलवायु और समुद्र तट की स्थिति ओलवि रडिले कछुओं के बड़े पैमाने पर घोंसले बनाने के कुछ शुरुआती कारण थे। ओलवि रडिले कछुए विश्व में पाए जाने वाले सभी समुद्री कछुओं में सबसे छोटे और प्रचुर मात्रा में हैं। ये कछुए मांसाहारी होते हैं और इनका नाम उनके जैतून के रंग के कारण से (आवरण) से मिलता है। वे अपने अद्वितीय घोंसले के लिये जाने जाते हैं जिसे 'अरबिदा' कहा जाता है, जहाँ हज़ारों मादाएँ अंडे देने के लिये एक ही समुद्र तट पर एक साथ आती हैं। वे प्रशांत, अटलांटिक और हिंद महासागरों के गर्म पानी में पाए जाते हैं। ओलवि रडिले कछुओं को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची 1 में शामिल किया गया है, यह IUCN की रेड लिस्ट में संकटग्रस्त के रूप में सूचीबद्ध है तथा जंगली जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों में अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (CITES) के परिशिष्ट I में उल्लेखित है।



और पढ़ें... [ओलवि रडिले: जोखमि और संबंधति पहल](#)

बसिफेनॉल A

बसिफेनॉल A (BPA) पॉली कार्बोनेट प्लास्टिक और एपॉक्सी रेज़िन (थर्मोसेटिंग पॉलिमर की श्रेणी) में उपयोग होने वाला एक रसायन है एवं यह विशेष रूप से पानी की बोतलों, बच्चों की बोतलों तथा अन्य खाद्य कंटेनरों में पाया जाता है। BPA औद्योगिक बहिःस्रावों और डिस्चार्ज लीचेट्स के माध्यम से सतह के मीठे जल को दूषित करता है (कोई भी दूषित तरल जो ठोस अपशिष्ट निपटान स्थल के माध्यम से रसिने वाले जल से उत्पन्न होता है, दूषित पदार्थों को जमा करता है एवं उपसतह कषेत्रों में पहुँच जाता है)। पानी में BPA का नखिहन तब होता है जब पर्याप्त धूप होती है और प्लास्टिक नरम हो जाता है। हाल के एक अध्ययन के अनुसार, यह मच्छरों के प्रजनन को भी गतदिता है। शरीर में BPA रसायन के प्रवेश से यह हार्मोन के साथ हस्तक्षेप कर अंतःस्रावी तंत्र को बाधति कर देता है और भ्रूण, शिशुओं तथा बच्चों के मस्तिक एवं प्रोस्टेट ग्रंथि को प्रभावति करता है।

और पढ़ें... [प्रभावी प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन](#)